सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
# स्वराज इंडिया
कानपुर, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 113, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

खेल-खिलाड़ियों को महत्व देना समाज की जिम्मेदारीः रक्षामंत्री

» Pg12

इनसाइड कल कानपुर में सीएम योगी का निरीक्षण... » Pg03

## आगराः रामजीलाल सुमन से मिलने पहुंचे अखिलेश यादव का बड़ा हमला

# फूलन देवी की हत्या करने वाले मुझे गोली मारने की दे रहे धमकी

### आगरा की हिंसा दिल्ली-लखनऊ से प्रमोट का आरोप । जनता को बीजेपी के विरोध की दी सलाह

**» बोले सपा मुखिया- भाजपा वाले संविधान से चलने वाले नहीं, मन विधान से चलने वाले लोग हैं।**

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में करणी सेना के बवाल के बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन से मुलाकात करने पहुंचे। रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में राणा सांगा के खिलाफ विवादित बयान देकर मुद्दा गरमाया। इसके बाद राजपूत समाज के बीच उनके खिलाफ आक्रोश बड़ा। करणी सेना ने इस मुद्दे को लेकर सपा सांसद को घेरा। उनके खिलाफ दो प्रदर्शन हो चुके हैं। राजपूत करणी सेना और समाजवादी पार्टी के बीच लगातार माहौल गरमाया हुआ है। ऐसे में फूलन देवी की हत्या का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव ने आगरा से एक नई राजनीतिक लाइन खींचने की कोशिश की है। उन्होंने राजपूत समाज को एक प्रकार से फूलन देवी की हत्या का आरोपी करार देते हुए खुद को गोली मारे जाने की साजिश से जोड़ा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा दौरे के दौरान एक प्रेस वार्ता में बीजेपी और योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फूलन देवी को मारने वाले अब उन्हें गोली मारने की धमकी देने वालों को बीजेपी वाले प्रमोट कर रहे हैं। यह लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। अखिलेश यादव ने आगरा में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर कहा कि दिल्ली और लखनऊ से ही इस हिंसा को प्रमोट किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आगरा में इस तरह की घटनाएं होती रहीं, तो इसका असर पर्यटन पर भी पड़ेगा।

### आगरा आने वाले पर्यटकों को लेकर जताई चिंता

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आगरा, ताजमहल और पर्यटन को जोड़ते हुए इस प्रकार के मामलों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में आगरा की चर्चा होती है, लेकिन अगर पर्यटक इस तरह की हिंसा की खबरें सुनेंगे, तो वे यहां आने से कतराएंगे। उन्होंने आगरा के लोगों से बीजेपी का विरोध करने की अपील की और कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमरा चुकी है। योगी सरकार को घेरते हुए अखिलेश ने कहा कि योगी जी को कुछ नहीं आता, वे विधानसभा में 46 को 56 बोलते हैं। थानों में पीडीए वालों की नियुक्तियां नहीं हैं, यूपी एसटीएफ में 21 पदों में से सिर्फ 3 लोग हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूपी में दलितों के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है और सरकार इन मामलों को नजरअंदाज कर रही है।

### पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों को डराना चाहती है सरकार

अखिलेश यादव ने राणा सांगा पर विवादित बयान मामले में समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन का समर्थन किया। आगरा में सांसद के घर पर आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि भोले-भाले लोगों को नंगी तलवारें थमा दी गई हैं, जिससे साफ है कि किस तरह से आम जनता को उकसाया जा रहा है। अखिलेश यादव के इस बयान ने उत्तर प्रदेश की सियासत में गर्माहट ला दी है। माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनावों तक इस मुद्दे को गरमाने की तैयारी में अखिलेश हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि मनमानी का दौर अब नहीं चलेगा क्योंकि अब बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी का संविधान है। संविधान ही सर्वोपरि रहेगा, पहले भी था और आगे भी रहेगा। इसमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होने वाली है। उन्होंने रामजी लाल सुमन के खिलाफ करणी सेना के प्रदर्शन पर कहा कि सरकार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को डराना चाहती है, क्योंकि वो जानती है कि पीडीए की ताकत सपा के साथ खड़ी है। उनकी यह कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी।

### करणी नहीं, ये योगी सेना है

अखिलेश यादव ने कहा कि यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज सामंतवादी और प्रभुत्वादी को पता है कि उनकी सरकार है। मुझे गोली मारने की धमकी मिल रही है कि जैसे फूलन देवी को मारा वैसे तुम्हें मारेंगे, आखिरकार कौन हैं इनके पीछे? अखिलेश यादव विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए के मुद्दे को गरमाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी सरकार में कहा जाता था यूपी पुलिस में बस यादव है। ऐसी कई फर्जी खबरें चलाई जाती थीं। आज जो आंकड़े हैं वह खबर कहीं नहीं चल रही है। आगरा में 48 थाने हैं, बताओ पीडीए कितने हैं? मैनपुरी में 15 थाने हैं, उनमें 10 में सरकार के स्वजातीय लोग हैं। महोबा में 11 थाने हैं, 6 थानों में सिंह साहब लोग हैं। पीडीए कहां है? अखिलेश यादव ने कहा कि करणी सेना नहीं, ये योगी सेना है, जिसके लिए सरकार से फंडिंग हो रही है। सीएम के स्वजातीय लोगों ने तलवारें, बंदूकें और डंडे लहराए। वे पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यकों को डराना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान जब बात रिकॉर्ड से निकाल दी गई थी तो उसे तूल दिया गया। अब जो वीडियो आ रहे हैं। ऐसी भाषा और व्यवहार लोकतंत्र में नहीं देखा था।

### सपा के गुंडे आग में डाल रहे घी

अखिलेश के इस दौरे को लेकर यूपी सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जोरदार हमला बोल दिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा सांसद के बयान को वापस लेकर विवाद समाप्त किया जा सकता था, लेकिन आप और आपकी पार्टी के गुंडे सिर्फ आग में घी डालने का काम कर रहे हैं।

# अनुराग कश्यप की टिप्पणी से ब्राम्हण समाज में गुस्सा

## सोशल मीडिया से लेकर अन्य जगहों पर आक्रोश बढ़ता जा रहा है

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। अनुराग कश्यप के ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए बयान के बाद से हर जगह बवाल मचा हुआ है. अनुराग के खिलाफ मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है. अनुराग ने अपनी बात रखने के लिए एक पोस्ट किया था जिसे पढ़कर लोग भड़क उठे. उसी पोस्ट पर किसी शख्स को जवाब देते हुए अनुराग कश्यप ने ब्राह्मण पर काफी अभद्र बात तक कह दी, जिसे लेकर डायरेक्टर कानूनी पचड़े में फंसते नजर आ रहे हैं. लेकिन अब अनुराग ने माफी मांग ली है.**

बॉलीवुड डायरेक्टर और एक्टर अनुराग कश्यप का विवादों से पुराना नाता रहा है. इस बार वो ब्राह्मण समाज के निशाने पर हैं अपने एक बयान को लेकर. अनुराग ने प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म फुले को सेंसर बोर्ड की तरफ से सजेस्ट किए गए कट्स के बाद हुए विवादों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी. इसके बाद अनुराग ने ब्राह्मण समाज को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया, जिसके बाद से उनको सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल किया जा रहा है. भारी बवाल के बीच अनुराग ने अपनी बात के लिए माफी मांग ली है.

अनुराग ने बवाल के बीच अपने सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर पोस्ट किया. उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में लिखा, 'ये मेरी माफी है, उस पोस्ट के लिए नहीं, जो मैंने किया बल्कि उस एक लाइन के लिए, जिसे आउट ऑफ कंटेक्स्ट निकालकर हेट फैलाया जा रहा है. कोई भी बयान मेरी बेटी, फैमिली, दोस्त और कॉलीग्स को मिल रही रेप और कत्ल की धमकियों से बड़ा नहीं है. कही हुई बात वापस नहीं ली जा सकती, और ना लूंगा. मुझे गाली देनी है दो.

अनुराग ने आगे लिखा, 'मेरे परिवार ने ना कुछ कहा है ना कहता है, इसलिए अगर मेरी माफी ही चाहिए तो ये लो मेरी माफी. ब्राह्मण लोग, औरतों को बक्श दो, इतने संस्कार तो शास्त्रों में भी हैं, सिर्फ मनुवाद में नहीं हैं. आप कौन से ब्राह्मण हो ये तय कर लो, बाकी मेरी तरफ से माफी.' बता दें कि अनुराग ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा था कि धड़क 2 की स्क्रीनिंग में सेंसर बोर्ड ने बोला कि सरकार ने भारत में कास्ट सिस्टम खत्म कर दिया है. उसी आधार पर संतोष भी इंडिया में रिलीज नहीं हुई. अब ब्राह्मण को दिक्कत है फुले से. जब कास्ट सिस्टम नहीं तो काहे का ब्राह्मण. अनुराग कश्यप के इस बयान के बाद से सोशल मीडिया पर बवाल मचा हुआ है. अनुराग के बयान पर बीजेपी के सदस्य और बिग बॉस में नजर आ चुके तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने उनपर स्न्नढ्ढक्रकी मांग की थी.कानपुर के पूर्व पार्षद और ब्राम्हण नेता मनीष शर्मा ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए नहीं तो ये पब्लिक के हाथ लग गए तो हुलिया ठीक हो जाएगा।

अनुराग कश्यप ने जैसे ब्राह्मणों का अपमान किया है इससे उसकी मानसिक बीमारी और ब्राह्मणों की प्रति उसकी नीच सोच का प्रदर्शन हो गया है अनुराग कश्यप जैसे और भी ब्राह्मणों के प्रति जहर रखने वाले बॉलीवुड के टूटपंजिए का इलाज बहुत जरूरी है। ब्राह्मण समाज ऐसे कुत्सित मानसिकता के लोगों का पूर्ण इलाज जनता है और इनका जल्दी ही उपचार किया जायेगा

**अनुरंजन शुक्ला**
प्रदेश अध्यक्ष युवा
मै ब्राह्मण हूं महासभा

अनुराग कश्यप जैसे नीच कलाकारों की वजह से पूरे फिल्म इंडस्ट्री में ब्राह्मणों के प्रति एक नीचे सोच उजागर की गई है यह उसके नीचे संस्कारों की एक प्रतीक है पूरे ब्राह्मण समाज में उसके खिलाफ रोष व्याप्त है अनुराग कश्यप के कानपुर आने पर उसका जूते की माला से स्वागत किया जायेगा

**नितिन अवस्थी**
प्रदेश महामंत्री
मै ब्राह्मण हूं महासभा

देश में ब्राह्मणों के खिलाफ नफरत का माहौल बनाया जा रहा और निरंतर अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा, क्योंकि सनातन धर्म का सबसे बड़ा संरक्षक ब्राह्मण है,और ब्राह्मण को कमजोर करके वामपंथी ताकत देश में धर्म को कमजोर करना चाहती है।अनुराग कश्यप जैसे लोग उसी साजिश की एक कड़ी है जिनके पास स्वयं का कुछ नहीं होता वो ऐसी ओछी बातें करते है।अनुराग कश्यप फिल्म फूले के प्रमोशन के लिए ब्राह्मणों को अपशब्द बोल रहा सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए।

मै घोषणा करता हूं कि अनुराग कश्यप के ऊपर जो मूत्र फेकेगा उसे 1 लाख रुपए देकर सम्मानित करूंगा

**दुर्गेश मणि त्रिपाठी**
(एड0)-अध्यक्ष
मै ब्राह्मण हूं महासभा

# कल कानपुर में सीएम योगी का निरीक्षण

## पीएम मोदी के 24 अप्रैल के कार्यक्रम को लेकर देखेंगे तैयारियां

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। जिलाधिकारी द्वारा 1म660 मेगावाट पनकी तापीय विस्तार परियोजना का निरीक्षण किया गया, जिसकी उत्पादन क्षमता - 660 मेगावाट तथा परियोजना की लागत- 8305.16 करोड़ है। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा कल मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए कंट्रोल रूम, एडमिन बिल्डिंग, सीआईएसएफ तैनाती सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ - साथ साफ- सफाई व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी के दौरे के समय चाक - चौबंद व्यवस्थाएं हो, जिससे मा. प्रधानमंत्री जी के दौरे के लिए बनाई गई रूपरेखा के तहत काम करके कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद दौरे के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा अरमापुर स्टेट ग्राउंड में निर्माणाधीन हेलीपैड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेफ हाउस स्विस कॉटेज व अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए संबंधित को निर्देश दिए।

# सेंट्रल में प्लेटफॉर्म नंबर 9 की स्वचालित सीढ़ी हटेगी

### » नई बिल्डिंग में बाधक बनी सीढ़ी और फुटओवर ब्रिज, दोनों को हटाने की स्वीकृति मिली

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। सेंट्रल स्टेशन की नई बिल्डिंग में प्लेटफार्म नंबर 9 की स्वचलित सीढ़ी और फुटओवर ब्रिज बाधक बने हैं। गुरुवार को प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश अग्रवाल ने दोनों को हटाने की मंजूरी दी। महानंदा एक्सप्रेस से सेंट्रल स्टेशन पहुंचे डीआरएम ने फूड प्लाजा, वीआईपी लॉज, आरपीएफ व जीआरपी थाने का भी निरीक्षण किया। स्टेशन पर हो रहे कामों को देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।**

प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक गुरुवार दोपहर महानंदा एक्सप्रेस से सेंट्रल के प्लेटफार्म एक पर पहुंचे। एसी प्रतीक्षालय, लॉज, स्टॉलों के बारे में जानकारी लेने के बाद वह टीम के साथ प्लेटफार्म-8 व 9 पहुंचे। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों से उन्होंने स्वचलित

सीढ़ियों व फुटओवर ब्रिज की संरचना को समझा। इसके बाद कुछ पल्ले हटाने की मंजूरी दी। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों ने जहां सीढ़ियां हटानी हैं, वहां क्रास का निशान लगाया। इसके बाद फिर प्लेटफार्म एक पहुंचे और रेलवे अधिकारियों संग बैठक में जरूरी दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेट्रो स्टेशन से सेंट्रल को जोड़ने के फायदों को जाना। अमृत भारत स्टेशन के तहत हो रहे सभी कामों की अधिकारियों से जानकारी ली। अधिकांश कामों को देखा भी। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह, स्टेशन अधीक्षक अवधेश द्विवेदी, सीआरटी रोमित चतुर्वेदी, मंडल इंजीनियर आयुष कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर उज्जवल गुप्ता, वरिष्ठ विद्युत इंजीनियर परिचालन प्रदीप शर्मा, वरिष्ठ विद्युत इंजीनियर टीआरडी वीरेंद्र वर्मा, वरिष्ठ विद्युत इंजीनियर सामान्य कुंवर सिंह यादव आदि रहे।

सेंट्रल स्टेशन का 767 करोड़ रुपये से रीडेवलपमेंट हो रहा है। इसके तहत कॉनकोर्स बनने के लिए दो प्लेटफार्म पर 60-60 दिनों का ब्लॉक लिया जाएगा। डीआरएम ने ब्लॉक को देखते रेलवे अधिकारियों से 40-56 ट्रेनों के दूसरे प्लेटफार्म पर डायवर्जन कर चलाने की राय जानी। दूसरे प्लेटफार्म से ट्रेन चलाने पर मंथन करें। जिससे यात्रियों को दिक्कत न हो। जल्द बैठक में अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दो नए प्लेटफार्म बनाने की मंजूरी

सेंट्रल स्टेशन के रीडेवलपमेंट के तहत प्लेटफार्म-8 व 9 पर कॉनकोर्स बनाने के लिए जल्द छत पड़नी है। यह वह स्थान होगा, जहां यात्री व उनके परिजन एक साथ बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकेंगे। ट्रेनों की स्थिति के हिसाब से ही प्लेटफार्म पर जाएगे। वहीं स्टेशन पर दो और प्लेटफार्म बनाने की मंजूरी डीआरएम ने दी। जिससे यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

# 14वीं भव्य शोभायात्रा निकाली गई

## » श्रीराम जन्मोत्सव सेवा समिति ने किया आयोजन

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**कानपुर। सनातन मान्यता के अनुसार चैत्र नवरात्र में नव वर्ष का शुभारंभ होता है और भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव पूरे शहर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार रामनवमी पर परमिशन नहीं मिलने के कारण बाद में श्रीराम जन्मोत्सव सेवा समिति के तत्वावधान में अपनी 14वीं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित हुए। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया व गले में पट्टिका और सर पर भगवा रंग की पगड़ी पहनाकर शोभायात्रा में आमंत्रित किया गया।भगवान श्रीराम के जयकारो से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।**

भगवान स्वरूप में सजे हुए छोटे - छोटे बच्चे पंद्रह रथों पर विराजमान होकर शोभायात्रा का आकर्षण का केंद बना रहा। भगवान के रूप में कोई प्रभु श्री राम तो कोई माता सीता वह कोई भगवान शिव तो कोई माता पार्वती बना हुआ था साथ में एक रथ बाबा श्री श्याम के दरबार से भी सजाया गया था जो की शोभायात्रा में साथ में चल रहा था। वहीं शोभायात्रा में लगभग 300 मातृशक्ति के रूप में उपस्थित रही, जिन्होंने भगवा रंग की साड़ी और भगवा रंग की पगड़ी को धारण कर रखा था। वहीं सनिगवां क्षेत्र की किन्नर गुरु महंत नीलम यादव व काजल शुक्ला भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रही। वहीं ढोल, ताशे और ब्रम्हनाद की थाप पर पूरी शोभायात्रा में ऊर्जा का संचार होने लगा। लगभग शोभायात्रा के तीन किलोमीटर का पुरा मार्ग लाइटों से सजाया गया था। शोभायात्रा श्री बालाजी मंदिर टेंपो स्टैंड से प्रारंभ होकर अन्ना चौराहा होते हुए चिस्ती नगर, तिरंगा चौराहा से हाईवे की ओर से होते हुए श्री बालाजी मंदिर टैंपो स्टैंड पर शोभायात्रा का समापन किया गया।

श्री राम जन्मोत्सव सेवा समिति के अध्यक्ष हेमंत सिंह ने बताया कि यह शोभायात्रा की शुरुआत 2011 में हुई थी तब से लगातार समिति परिवार भगवान प्रभु श्रीराम की रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन करता आ रहा है।

शोभायात्रा में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि कानपुर देहात के सांसद देवेंद्र सिंह भोले, करौली शंकर महादेव संतोष भदौरिया, विकास सिंह भोले, महंत अरुण पूरी जी महाराज,

महंत जितेंद्र दास जी महाराज, मनोज शुक्ला, प्रतीक सिंह राणा, सत्यम पांडे, पार्षद विजय लक्ष्मी यादव, पार्षद पति मनोज यादव, उमेश शर्मा, समिति महामंत्री अजय सिंह, नीरज यादव, विपिन सिंह, रवि भदौरिया व हजारों राम भक्त मौजूद रहे।

# दो बाइकों में भिड़ंत, तीन बुरी तरह से घायल

## धौरसलार स्टेशन के सामने हाईवे पर हुआ हादसा

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

बिल्हौर( कानपुर)। शुक्रवार शाम बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के धौरसलार स्टेशन के सामने अलीगढ़ हाईवे पर तेज रफ़्तार दो बाईकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए बिल्हौर सीएचसी भिजवाया। जानकारी के मुताबिक बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के देवकली गांव निवासी रमेश शुक्रवार को अपनी पत्नी प्रभा और बेटा अमन के साथ शिवराजपुर अपनी बेटी के लिए लड़का देखने गए थे। वापस घर लौटते समय शाम करीब 7 बजे धौरसलार स्टेशन के सामने कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर उल्टी दिशा से बाइक से आ रही राजेश की बाइक से आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में राजेश, रमेश, अमन गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया।

**मुंगीसापुर में बचा बड़ा सड़क हादसा**

बस के अचानक रुकने पर पीछे आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी इससे दो सवारी गम्भीररूप से घायल हो गई और आधा दर्जन लोगों को आई चोट।

## सम्पादकीय

# तत्काल सुधार से ही बनेंगी रहने लायक

दरअसल, जेल बनाने का मूल मकसद देशकाल, परिस्थिति, भावनात्मक उद्वेग या आपराधिक मनोवृत्ति से अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले लोगों में सुधार लाना ही रहा है। जिससे भटके हुए लोग समाज की मुख्यधारा से अलग रहकर आत्ममंथन कर सकें। सजा का मकसद दंड के बजाय सुधार रहा है। लेकिन भारतीय जेलें जिस हाल में हैं, उससे यह मकसद पूरा होता नजर नहीं आता। निस्संदेह, देश में जेलें संकटग्रस्त हैं। ये सभ्य नागरिकों की राह से भटके लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरने वाले स्थानों जैसी हैं। इस बाबत इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 कमोबेश इन्हीं स्थितियों का खुलासा करती है। वर्ष 2022 तक 4.36 लाख कैदियों के रहने हेतु बनायी गई जेलों में 5.73 लाख कैदी बंद थे। जो निर्धारित से 131 फीसदी अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेलों में कैदियों की संख्या 6.6 लाख तक पहुंच सकती है। जो निर्धारित 5.15 लाख की अनुमानित क्षमता से कहीं अधिक होगी। निस्संदेह, यह संकट अनुमान से कहीं अधिक गहरा है। निश्चित रूप से इसे कैदियों के मानवाधिकार का आपातकाल कहा जा सकता है। लेकिन संकट सिर्फ भीड़भाड़ का ही नहीं है। विडंबना देखिए कि पूरी जेल आबादी के लिये सिर्फ 25 मनोचिकित्सक ही हैं। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 के बाद कैदियों में मानसिक रोग दुगने आंके गए हैं। इनमें ज्यादातर वे कैदी हैं जो विचाराधीन हैं। जिनका अपराध तय नहीं हो पाया है। न्यायिक प्रक्रिया में विलंब की कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर जेलों में चिकित्सा व्यवस्था का संकट भी उतना ही गहरा है। जेलों में चिकित्सा अधिकारियों के 43 फीसदी पद रिक्त पड़े हैं। यह व्यवस्थागत खामियों की ही तसवीर है कि देश की राजधानी में 206 कैदियों पर एक चिकित्सक नियुक्त है। यही वजह है कि उचित देखभाल के अभाव में जेलों में तमाम कैदी मानसिक व शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद इस गंभीर समस्या के समाधान के लिये गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं।

निश्चित रूप से कैदियों के हितों की अनदेखी कोई नई बात नहीं है। देश की शीर्ष अदालत अकसर दीर्घकालीन जेल नियोजन की आवश्यकता पर बल देती रही है। लेकिन शासन-प्रशासन की कार्यवाही या तो धीमी है या फिर इन समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया दर्शाया जाता है। जबकि कैदियों के मानवाधिकारों के मद्देनजर इस मामले में संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। इस समस्या का सबसे बड़ा संकट कर्मचारियों की भारी कमी भी है। विडंबना यह है कि कुछ क्षेत्रों में तो सुधारात्मक कार्यों के लिये स्वीकृत पदों पर रिक्तियां साठ फीसदी तक पहुंच गई हैं। उदाहरण के लिये दिल्ली की जेलें 250 फीसदी से अधिक क्षमता के साथ संचालित की जा रही हैं। एक विसंगति यह भी है।

# अधिक निवेश से गहन तकनीक को संबल

दिनेश सी शर्मा

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा छेड़े गए टैरिफ युद्ध के बीच, भारत में स्टार्टअप्स हों या बड़ी कंपनियां, दोनों के लिए डीप टेक को विकसित करना और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। हमें डीप टेक इनोवेशन सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नीतिगत पहल बनाने की जरूरत है, जिसके लिए पर्याप्त सार्वजनिक निवेश का इंतजाम हो।भारतीय स्टार्टअप्स (नव उद्यमों) के ध्यान के केंद्र को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी से शुरू हुई बहस नवाचार और रोजगार सृजन के इर्द-गिर्द घूमती रही। मंत्री जी चाहते हैं कि हमारे स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्लोबल लॉजिस्टिक्स जैसे डीप टेक (गहन तकनीकी) क्षेत्रों में काम करें।**

जिस तरह सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाह रही है, दरअसल, विशाल आकार वाले हमारे उपभोक्ता बाजार से जितने अवसर बन सकते हैं, उसके मद्देनज़र यह अपेक्षा करना उचित भी है।

हालांकि, जिस स्थिति का बखान मंत्री महोदय ने किया, उसके पीछे की वजहों पर जब तक हम ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्टार्टअप्स के लिए उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना मुश्किल होगा। अधिकांश भारतीय स्टार्टअप्स ने नई तकनीकों के अनुप्रयोग और अपनाने में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बहुत कम स्टार्टअप्स नई तकनीक को विकसित करने, उसका व्यवसायीकरण करने या फिर भारतीय संस्थाओं द्वारा विकसित तकनीकों एवं खोजों को उद्यमशील उपक्रमों में फलीभूत करने का काम कर रहे हैं।

प्रौद्योगिकी विकास को मौलिक अनुसंधान, विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय और यथेष्ट जनशक्ति की आपूर्ति वाले पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। भारत ने तकनीकी सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि इस क्षेत्र के लिए सुयोग्य इंजीनियरिंग जनशक्ति पर्याप्त मात्रा में थी और इस व्यवसाय में मौलिक शोध की आवश्यकता नहीं पड़ती। देश ने शोध प्रणाली, शिक्षाविदों को साथ जोड़कर और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ जीवन विज्ञान क्षेत्र में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। विदेशी कंपनियों के आउटसोर्स रिसर्च एंड डेवेलपमेंट केंद्रों में काम करने वाले भारतीय उनके लिए नए उत्पाद और बौद्धिक संपदा विकसित कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि वहां उन्हें भरपूर निवेश का फायदा प्राप्त होता है और तमाम जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं।डीप टेक क्षेत्र अत्याधुनिक खोजों और उच्च-स्तरीय नवाचार द्वारा संचालित होते हैं, जो आगे चलकर बुनियादी शोध और विश्वविद्यालयों के उन्नयन में गहन और निरंतर निवेश के माध्यम से ही प्राप्त हो सकते हैं। जब देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत से भी कम अनुसंधान और विकास पर खर्च करेगा, तो स्टार्टअप्स से बिल्कुल नई चीज़ें बनाने की उम्मीद करना अवास्तविक होगा। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ वर्षों से भारत में सुर्खियों में रहने वाले डीप टेक विषयों में एक है क्वांटम कंप्यूटिंग। सरकार ने 2031 तक 6,000 करोड़ रुपये (लगभग 735 मिलियन डॉलर) के वित्तपोषण के साथ राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (जिसमें मुख्य ध्यान का केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग पर है) बनाने की घोषणा की है। देखने में यह एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यह कुछ भी नहीं है - चीन ने अपनी क्वांटम प्रौद्योगिकी पहल के वास्ते 15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक निवेश आरक्षित कर रखा है।

# खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

## ग्लेशियर संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

**यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं।**

**ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है।**

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है।नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है।नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है।

सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है।

# स्किन करे ग्लो, जेल से शो...

**जेल मॉइश्चराइजर स्किन में जल्दी अब्जॉर्ब होता है। इससे आपकी स्किन में चिपचिपी महसूस नहीं होती है। क्योंकि यह वॉटर बेस्ड होता है और ऑयली स्किन से लेकर कॉम्बिनेशन स्किन को बिना हैवीनेस या ऑयल के हाइड्रेटेड रखता है। आज हम आपको घर पर ही जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं।**

चाहे कोई भी मौसम हो स्किन को हर मौसम में पर्याप्त नमी की जरूरत होती है। स्किन को नमी देने के लिए एक अच्छा मॉइश्चराइजर बेहद काम आता है। इसलिए हम सभी अपनी स्किन केयर के लिए मार्केट से लाए हुए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर ही जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। आपकी स्किन को पर्याप्त हाइड्रेशन मिलता है। वहीं धूप से झुलसी स्किन के लिए खीरा काफी अच्छा माना जाता है। सामग्री आधा खीरा एलोवेरा जेल- 2 चम्मच नारियल का तेल- 1 छोटा चम्मच मिंट एसेंशियल ऑयल- 3-4 बूंदें ऐसे बनाएं खीरे से जेल मॉइश्चराइजर सबसे पहले खीरे को पीसकर छान लें और इसका ताजा जूस निकाल लें।

फिर एक कटोरी में खीरे के जूस को एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें। इसके बाद इसमें एसेंशियल ऑयल और नारियल तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। आप इसको फ्रिज में भी स्टोर करके हर दिन इस्तेमाल कर सकते हैं। ग्रीन टी और एलोवेरा जेल मॉइश्चराइजर

बता दें कि ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। इसलिए इसे डल और एजिंग स्किन के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। यह फाइन लाइन्स को कम करने के साथ स्किन को ग्लो देता है। सामग्री एलोवेरा जेल- 2 चम्मच ग्रीन टी- 1 ब?ा चम्मच तैयार की हुई बादाम का तेल- 1 छोटा चम्मच लैवेंडर या टी ट्री ऑयल- 2 बूंदें ऐसे बनाएं जेल मॉइश्चराइजर सबसे पहले ग्रीन टी बनाएं और इसे ठंडा होने दें।

अब एलोवेरा जेल को ग्रीन टी के साथ एक कटोरे में मिलाएं।

अब बादाम का तेल और एसेंशियल ऑयल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

इसे एक कंटेनर में स्टोर करें और हर दिन इस्तेमाल करें। फ्लैक्ससीड जेल मॉइश्चराइजर फ्लैक्स सीड्स जेल एक नेचुरल बोटाक्स की तरह काम करता है। यह आपकी स्किन को ज्यादा फर्म बनाता है। इससे न सिर्फ स्किन टाइट होती है, बल्कि यंगर भी नजर आती है। इससे त्वचा को हाइड्रेशन मिलता है।

सामग्री फ्लैक्स सीड्स- 2 चम्मच

पानी- 1 कप शहद- आधा चम्मच

जोजोबा तेल या बादाम का तेल- 1 चम्मच , ऐसे बनाएं जेल मॉइश्चराइजर

सबसे पहले फ्लैक्स सीड्स को पानी में कम से कम 5-7 मिनट के लिए उबालें। जब तक कि यह जेल की तरह गाढ़ा न हो जाए। अब महीन जाली या फिर कपड़े से इसको छान लें।इसको ठंडा करने के बाद इसमें तेल और शहद डालकर मिक्स करें।

इस तरह से जेल बनकर तैयार है, इसे एक साफ कंटेनर में स्टोर करें और हर दिन इस्तेमाल कर सकती हैं।

# पांडव झरने की रहस्यमयी कहानी !

**यहां एक खूबसूरत झरना है। पांडव जलप्रपात की ऊंचाई 30 मीटर है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा बेहद मनोरम होता है। जैव विविधता की दृष्टि से यह क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। देश में बाघों की संख्या अब दिन प दिन कम होती जा रही है। बाघों को देने के लिए आज जनता जो एडवेंचर और वाइल्ड लाइफ की शौकीन है वह जंगलों की सफारी के लिए जाते हैं।**

अगर आप भी उनमें से एक हैं तो आप पन्ना टाइगर रिजर्व जा सकते हैं।

यह स्थान प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों से युक्त है। यहां एक खूबसूरत झरना है। पांडव जलप्रपात की ऊंचाई 30 मीटर है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा बेहद मनोरम होता है। पांडव जलप्रपात की खूबसूरती पांडव जलप्रपात झरने का पानी मध्य प्रदेश में स्थित केन नदी की एक सहायक नदी से आता है। यह एक बारहमासी झरना है, बारिश के मौसम में झरने का वेग बढ़ जाता है। पांडव जलप्रपात का पानी नीचे स्थित एक विशाल जलकुंड में गिरता है, जलकुंड का आकार दिल जैसा दिखता है।

पांडव जलप्रपात मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में स्थित सबसे लोकप्रिय दर्शनीय स्थलों में से एक है, जहाँ दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। सर्दियों और मानसून के मौसम को पांडव जलप्रपात की यात्रा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस दौरान यह क्षेत्र स्वस्थ जल प्रवाह के साथ घनी हरियाली से भरा रहता है। नीचे मौसमी विवरण दिया गया है जो पर्यटकों को पांडव जलप्रपात की यात्रा की योजना बनाने में मदद करेगा।

प्रचलित कथा पांडव गुफा के बारे में जब जुए में पराजित होने के बाद पांडवों को हस्तिनापुर से निकाल दिया गया था। तब वे अज्ञातवास के समय यहां गुप्त रूप से निवास करते थे। उन्होंने इस झरने के पास एक गुफा में शरण ली थी और आपने हथियार रखे थे। इस घटना के बाद से इसका नाम पांडव फॉल और पांडव गुफा पड़ा।

देश की आजादी में पांडव फॉल का महत्वपूर्ण योगदान 4 सितंबर 1929 को चंद्रशेखर आजाद की पाटरा जिले में पांडव फॉल और पांडव गुफा नामक स्थान पर क्रांतिकारियों के साथ बैठक हुई थी, वे पांडव को अपना आदर्श मानते थे, इसलिए उन्होंने भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजाद कराने का निर्णय लिया और भगत सिंह के साथ हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी (एचएसआरए) की स्थापना की। 90 साल तक गुलाम रहे भारत को आजादी दिलाने के लिए देश में आजादी की अलख जगाई।

# गर्मी हारेगी, घर ठंडा रहेगा !

**इस गर्मी में बिना पंखे-कूलरे के सोना मुश्किल हो रहा है। बता दें कि मौसम विभाग के मुताबिक इस बार का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। ऐसे में यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अधिक गर्मी होगी।**

## घरेलू नुस्खे

**मौसम विभाग के मुताबिक इस बार का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। ऐसे में यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अधिक गर्मी होगी। लेकिन अगर आप अभी से गर्मी से परेशान हो रहे हैं, तो आप गर्मी से बचने के लिए इन हैक्स को फॉलो कर सकते हैं।**

लेकिन अगर आप अभी से गर्मी से परेशान हो रहे हैं, तो आप गर्मी से बचने के लिए इन हैक्स को फॉलो कर सकते हैं।

इस गर्मी में बिना पंखे-कूलरे के सोना मुश्किल हो रहा है। बता दें कि मौसम विभाग के मुताबिक इस बार का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है।

ऐसे में यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अधिक गर्मी होगी। लेकिन अगर आप अभी से गर्मी से परेशान हो रहे हैं, तो आप गर्मी से बचने के लिए इन हैक्स को फॉलो कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिना कूलर-एसी के घर को ठंडा करने के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

### ये हैक्स बनाएंगे घर को ठंडा

घर को ठंडा रखने के लिए ये हैक्स करें फॉलो जल्दी गर्मी बढ़ने से लोगों की सेहत पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। गर्मी बढ़ने की वजह से लोग अभी से कूलर और पंखा चलाकर सोने लगते हैं। जिसकी वजह से सर्दी-जुकाम और तबियत खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप अभी से कूलर पंखा चलाने की बजाय ये टिप्स फॉलो कर सकते हैं।

आप दोपहर के समय घर के दरवाजे बंद रखें। क्योंकि धूप ज्यादा तेज होने के कारण लोग दोपहर में घर का दरवाजा खोल देते हैं। ऐसे में बेहतर है कि दोपहर को दरवाजा बंद रखें और सुबह-शाम दरवाजा खुले रखें। इस समय गर्मी अचानक से बढ़ गई तो आप कूलर चलाने की जगह ये ऑप्शन ज्यादा अच्छा है। इससे आपको पंखे की ठंडी हवा लगेगी।

वहीं यदि आप अभी से कूलर नहीं चलाना चाहते हैं, तो घर की खिड़कियों को खुला रखें और दोपहर में पर्दे लगाकर रखें। इससे आपका कमरा गर्म नहीं होगा और पंखे की हवा भी ठंडी लगेगी। क्योंकि धूप भले ही इस दौरान तेज होती है, लेकिन मौसम में ठंडक है।

इसके साथ ही घर को ठंडा रखने के लिए, आप घर की छत पर पानी का छिड़काव कर सकते हैं। जिन लोगों का कमरा ऊपर है और छत पर सीधे धूप पड़ती है, तो वह छत पर पानी जरूर छिड़कें। इससे आपको गर्मी से भी राहत मिलेगी।

कमरे में फ्रिज या फिर कोई ऐसा सामान न रखें, जिससे हीट निकलती हो। इससे कमरे में ज्यादा हीट नहीं होगी और आपको अभी से कूलर चलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं छत पर पौधे लगा सकते हैं, इससे कमरा ठंडा रहेगा। आप अपनी छत पर फूलों वाले पौधे भी लगा सकते हैं।

# समर कैम्प से बच्चों का समग्र विकास करेंगे अनुदेशक व शिक्षामित्र

## बदले में मिलेगा मात्र 6 हजार मानदेय

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने बच्चों के समग्र विकास के लिए प्री-ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैम्प) आयोजित करने का निर्णय लिया है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के कुछ चुनिंदा उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों (कक्षा 6-8) में 21 मई से 15 जून 2025 तक समर कैम्प का आयोजन होगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है जिसका उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल का विकास करना है।

समर कैम्प प्रतिदिन प्रातः 7:30 से 10:30 बजे तक आयोजित किए जाएंगे जिसमें 3 घंटे की अवधि होगी। इस दौरान योग, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां, डिजिटल कौशल, पर्यावरण संरक्षण और विज्ञान आधारित प्रयोग जैसे रोचक कार्यक्रम शामिल होंगे। कैम्प में बच्चों के लिए पूरक पोषण (जैसे गुड़ सिवई, बधाई का लड्डू आदि) की व्यवस्था भी की जाएगी जिसके लिए मध्याह्न भोजन प्राधिकरण द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

उद्देश्य और गतिविधियां-

समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गर्मियों के अवकाश में सकारात्मक और रचनात्मक वातावरण प्रदान करना है। इसके लिए तीन सप्ताह की सुझावात्मक गतिविधियों की योजना बनाई गई है जिसमें सप्ताह-1 में योग, सांस्कृतिक प्रदर्शन और डिजिटल कौशल, सप्ताह-2 में पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान प्रयोग और हस्तशिल्प तथा सप्ताह-3 में राष्ट्रीय एकता, जल संरक्षण और नाटक शामिल हैं। प्रत्येक गतिविधि बच्चों की आयु और रुचि के अनुसार डिजाइन की जाएगी ताकि सभी को समान अवसर मिले।

**वित्तीय प्रावधान और सहयोग**

समर कैम्प के संचालन के लिए अनुदेशकों और शिक्षकों को 6000 रुपए मानदेय दिया जाएगा।

इसके अलावा विद्यालयों को स्टेशनरी आदि के लिए 2000 रुपए की धनराशि समग्र शिक्षा के तहत उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों और समुदाय के विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जा सकता है।

अभिभावकों को बच्चों के साथ घर पर गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि भावनात्मक बंधन मजबूत हो सके।

**सावधानियां और अनुपालन**

गर्मी और लू से बच्चों की सुरक्षा के लिए छाया और पानी की व्यवस्था अनिवार्य होगी। कैम्प की प्रगति फोटो के माध्यम से दस्तावेजीकरण होगी और शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों की उपस्थिति का प्रमाणीकरण 20 जून 2025 तक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सौंपना होगा।

# परिषदीय स्कूलों में हर माह होंगी प्रतियोगिताएं और शिक्षक चौपाल

**» ग्रीष्मावकाश 20 मई से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। बेसिक शिक्षा के अधीन परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक गतिविधियों के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाता है। इसमें पूरे साल होने वाली शैक्षिक गतिविधियों की समय सारिणी जारी की जाती है। कैलेंडर के अनुसार कक्षा तीन से पांच तक हर माह अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। आदेश के अनुसार ही शिक्षण कार्यों को पूरा किया जाएगा। कैलेंडर के अनुसार नवीन शिक्षा सत्र की शुरुआत जहां एक अप्रैल से हो गई है वहीं 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मावकाश रहेगा।

16 जून से शिक्षा सत्र फिर से शुरू किया जाएगा जबकि शीतकालीन अवकाश 31 जनवरी से 14 जनवरी के बीच तक रहेगा। स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा द्वारा किए गए आदेश के अनुसार पूरे साल हर माह स्कूलों में अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। अप्रैल माह में हिंदी भाषण प्रतियोगिता, मई में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता, जुलाई में अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता, अगस्त में हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता, सितंबर में हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता, अक्तूबर में अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता, नवंबर में हिंदी निबंध लेखन, दिसंबर में अंग्रेजी निबंध लेखन, जनवरी में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता व फरवरी में अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाएगा। यह सभी प्रतियोगिताएं कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएंगी।

बच्चों को पर्यावरणीय महत्व को समझाने के लिए स्कूलों में ईको क्लब का गठन किया जाएगा वहीं बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए साप्ताहिक और मासिक रूप से अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन भी करना होगा। इसके साथ ही हर तीन माह में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन भी किया जाएगा।

**हर माह होगा शिक्षा चौपाल का आयोजन**

निपुण भारत मिशन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में गुणवत्ता शिक्षा संबर्द्धन के लिए जनभागीदारी व अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए बीईओ के नेतृत्व में हर माह शिक्षा चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक गतिविधियों के लिए स्कूल शिक्षा महानिदेशक द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार ही साल भर स्कूलों में गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार ही सभी स्कूलों में गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश पूर्व में ही दिए जा चुके हैं।

# भैरोघाट में फटी 1200 एमएमकी पाइप लाइन, ऐसी फूटी जलधारा कि सड़क बन गई नहर

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। भैरो घाट पंपिग स्टेशन में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां से बेनाझावर में रॉ वॉटर को सप्लाई करने वाली पाइप लाइन अचानक फट गई.पाइप लाइन फटने से पंपिग स्टेशन से पानी की ऐसी धारा बही कि बाहर बनी सड़क पूरी तरह से नहर में तब्दील नजर आ गई. पंपिग स्टेशन की वॉटर लाइन फटने से बाहर बस्ती के कई घरों के अंदर तक पानी घुस गया. इससे आसपास के लोगों में भी अफरातफरी मच गई.यहां पर काम कर रहे कर्मचारियों ने किसी तरह वॉटर सप्लाई को रोककर जलकल विभाग के अफसरों को इसकी सूचना दी. बताया जा रहा है कि पंपिग स्टेशन से दो लाइनें बेनाझावर स्थित जलकल मुख्यालय में जाती हैं.इसमें 1200 एमएम की एक लाइन अचानक फट गई, जिसकी वजह से यहां पर हर सड़क नहर जैसी नजर आने लगी. जलकल विभाग के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि वॉटर सप्लाई को रोक दिया गया है.दो लाइनें होने की वजह से वॉटर सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा. पाइप लाइन की मरम्मत में समय लगेगा.

# सफल जीवन के लिए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी

## लक्ष्य निर्धारण से मिलती है सही दिशा

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है क्योंकि लक्ष्य प्रेरणा प्रदान करता है, दिशा देता है और सफलता के लिए एक मार्ग की रूपरेखा तैयार करता है। लक्ष्य के बिना मनुष्य का जीवन व्यर्थ होता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चों को लक्ष्य के प्रति जागरूक करना चाहिए। माता-पिता को अपने अनुभव के अनुसार बच्चों को शैक्षिक गतिविधियों में लाना चाहिए और पहले से ही लक्ष्य निर्धारित करते हुए बच्चों को उसे पाने के लिए प्रोत्साहित करते रहना चाहिए। कर्म करो फल की इच्छा ना करो इस फार्मूले का कभी भी अमल नहीं करना चाहिए।**

**जब आपके पास एक लक्ष्य होता है तो आप जानते हैं कि आपको किस दिशा में प्रयास करना है। यह आपको भ्रम और अनिश्चितता से बचाता है और आपको सही रास्ते पर चलने में मदद करता है।**

लक्ष्य आपको प्रेरित करता है और आपको अपने काम में लगे रहने के लिए उत्साहित करता है। जब आप जानते हैं कि आप एक विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको काम करने के लिए अधिक उत्साह और प्रेरणा मिलती है। जब आपके पास एक लक्ष्य होता है तो आप अपने काम में अधिक केंद्रित रहते हैं और अपनी प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं। इससे आपको

सफलता प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है।

लक्ष्य निर्धारण के लाभ...।

लक्ष्य निर्धारण से आप अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकते हैं अपने समय का प्रबंधन कर सकते हैं और अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकते हैं। लक्ष्य निर्धारित करते समय अपने लक्ष्य को विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य और प्रासंगिक बनाएं साथ ही एक समय सीमा निर्धारित करें ताकि आप अपनी प्रगति को ट्रैक कर सकें।

अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना, सकारात्मक रहना और असफल होने पर भी हार न मानना बहुत जरूरी है। कुल मिलाकर लक्ष्य निर्धारण किसी भी कार्य को शुरू करने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है। यह आपको दिशा, प्रेरणा और सफलता की ओर ले जाता है। आपको बताते हैं एक बार एक राहगीर ने एक संत से पूछा कि महाराज यह रास्ता कहां जाता है ? संत ने जवाब दिया कि ये रास्ता कहीं नहीं जाता है। आप बताइए कि आपको कहां जाना है ? व्यक्ति ने कहा कि महाराज मुझे मालूम ही नहीं है कि जाना कहां है। संत ने कहा कि जब कोई लक्ष्य ही नहीं है तो फिर रास्ता कोई भी हो उससे क्या फर्क पड़ता है, आप भटकते रहिए। जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है लेकिन वह इसी राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है। दूसरी ओर जीवन में लक्ष्य होने से मनुष्य को मालूम होता है कि उसे किस दिशा की ओर जाना है। वास्तव में असली जीवन उसी का है जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है और अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपनी राह खुद बनाता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है क्योंकि हर इंसान अपनी क्षमताओं के अनुसार ही लक्ष्य तय करता है। विद्यार्थी के लिए परीक्षा में प्रथम आना तो नौकरी-पेशे वालों के लिए पदोन्नति पाना जबकि किसी गृहणी के लिए आत्मनिर्भर बनना उसका लक्ष्य हो सकता है हालांकि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य तय करना चाहिए लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए। जब हम छोटे-छोटे लक्ष्य रखते हैं और उन्हें हासिल करते हैं तो हममें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का आत्मविश्वास आ जाता है। स्वामी विवेकानंद का कहना था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। हमें लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास और आस्था रखनी चाहिए और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत अधिकारी अरविंद गौतम निलंबित

## सीडीओ के निरीक्षण में मिली थी अनियमितताएं, ग्राम सचिव को पड़ी भारी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। गांव के विकास कार्यों में रुचि नहीं लेना ग्राम सचिव को भारी पड़ गया। अधिकारियों की बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहना साथ साथ जिला प्रशासन के कार्य एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य में श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान न करने में लापरवाही पर जिला विकास अधिकारी ने अकबरपुर ब्लॉक के ग्राम विकास अधिकारी अरविंद गौतम को निलंबित कर दिया है। इससे फिर से ग्राम सचिवों में हड़कंप मच गया है। जिला परियोजना निदेशक अतिरिक्त प्रभारी जिला विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया की अकबरपुर विकासखंड में तैनात ग्राम विकास अधिकारी अरविंद गौतम के पास क्षेत्र की ज्योतिष ग्राम पंचायत का चार्ज था।

जिसमें ज्योतिष गांव सभा के मजरा कचनार एवं पाल नगर में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण चल रहा है पिछले दिनों मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने स्थलीय निरीक्षण किया था तो उसमें अनियमितताएं उजागर हुई थी सीडीओ के निर्देश पर अकबरपुर के अवर अभियंता ने मौके पर पहुंच कर जांच की तो निर्माण कार्यों के सापेक्ष मनरेगा श्रमिकों के भुगतान नहीं किए जाने का मामला प्रकाश में आया। जिस पर उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया लेकिन कोई जवाब नहीं दिया इधर खंड विकास अधिकारी अकबरपुर में बताया कि ग्राम विकास अधिकारी अरविंद गौतम ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में रुचि नहीं ले रहे हैं।

इसके कारण जीरो पॉवर्टी सत्यापन के साथ आवास सर्वे एवं विकलांग पेंशन नरेगा कार्य के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आईजीआरएस के कार्य प्रभावित हो रहे हैं फैमिली आईडी के कार्यों में भी कोई रुचि नहीं ले थे।

इससे शासकीय कार्य पूरे तरह से बंद थे इसको लेकर ग्राम विकास अधिकारी अरविंद गौतम को फिर से नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया गया लेकिन कोई भी संतोष जनक जवाब नहीं दिया जिससे शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने उच्च अधिकारियों के निर्देशों का अनुपालन न करने और सरकारी नौकरी में स्वेच्छाचारिता बरतने के आरोप में निलंबित किया गया है प्रकरण की जांच खंड विकास अधिकारी अकबरपुर को दी गई है।

# राष्ट्रीय बजरंग दल की अकबरपुर में बैठक संपन्न, कई युवाओं को मिली जिम्मेदारी

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर देहात। राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक अकबरपुर स्थित जनकपुरी मैदान में आयोजित हुई। जिसमें अखिल दुबे को जिला उपाध्यक्ष कानपुर देहात,शुभ त्रिवेदी को जिला महामंत्री कानपुर देहात, लकी द्विवेदी को मंत्री कानपुर देहात, आदर्श पंडित नगर संयोजक रूरा,मनी बाजपेई नगर सह संयोजक रूरा,राहुल यादव ब्लाक अध्यक्ष अकबरपुर,गोपाल यादव ब्लाक उपाध्यक्ष अकबरपुर एवं विशाल यादव को ब्लाक मंत्री अकबरपुर पद पर नियुक्त किया गया । इस हिन्दू एकता के अवसर पर अमन तिवारी,अभी सेंगर, शुभम शुक्ला,सूरज पांडे,शिवा ठाकुर,सौरभ सिंह,अर्पित सिंह समेत तमाम हिन्दू उपस्थित रहे।

# सीडीओ ने समाधान दिवस में तहसील डेरापुर में सुनी शिकायतें

## समस्त तहसील स्तरीय अधिकारी जनता दर्शन के समय से रहे उपस्थित, शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण करें निस्तारण-मुख्य विकास अधिकारी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर देहात।** मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील डेरापुर में जन समस्याएं सुनी गई। जिसमे उनके द्वारा सर्वप्रथम पूर्व में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की जन शिकायतों की समीक्षा की गयी एवं शिकायत रजिस्टर का अवलोकन किया गया। जिसमे पूर्व समाधान दिवस में कमलेश पुत्र बल्दू ग्राम-परौंख द्वारा कालोनी व सौचालय के सम्बन्ध में शिकायत कि गयी थी जिसका गुणवत्तापूर्वत निस्तारण नहीं किया गया था जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने सबंधित खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त शिकायत का तत्काल सर्वे पूर्ण करवाते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए जिसका अंकन शिकायत रजिस्टर में भी किया जाए।

जिसके पश्चात द्वारा तहसील डेरापुर की जन समस्याएं सुनी गयी जिनमें कुल 68 शिकायते प्राप्त हुई जिनमें से राजस्व विभाग से 27, विकास विभाग 13, पुलिस विभाग 11 एवं विधुत विभाग 06 शिकायतें प्राप्त हुई थी जिनमे से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। उन्होंने कहा कि जनता को अनावश्यक जिला मुख्यालय के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें, इसलिए जो समस्या जिस स्तर की है, उस समस्या का उसी स्तर पर निस्तारण हो जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपनी समस्याऐं लेकर जो भी व्यक्ति आये, उसकी समस्या को पूरी शालीनता एवं तन्मयता से सुना जाये और समस्याओं का निस्तारण एवं समाधान उचित ढंग से किया जाये। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाल हर आगंतुक संतुष्ट होकर जाये।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक जनता से मिलने के लिए समय निर्धारित रखे। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस में जिन समस्याओं का निस्तारण संभव नहीं हो पाया है उन सभी समस्याओं का समबद्धता एवं प्राथमिकता से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर जांच कर गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करायें और यदि संज्ञान में आया कि निस्तारण की गुणवत्ता से शिकायत कर्ता संतुष्ट नही है या निस्तारण में लापरवाही बरती गयी है तो सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं, सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधित शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को आनलाइन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता को भी संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निस्तारण के दौरान उपस्थित रखा जाए ताकि सभी शिकायतों का निराकरण गुणवत्ता परक रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

# संजय सेतु के ज्वाइंटो में आई दरारों की मरम्मत शुरू

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**रामनगर( बाराबंकी)। बांदा बहराइच हाईवे स्थित संजय सेतु के ज्वाइंटो में आई दरारों का मरम्मतीकरण कार्य विभागीय टीम ने शुरू कर दिया है, यह कार्य तीन दिनों तक चलेगा इस दौरान मुकामी पुलिस के द्वारा वाहनों को वन साइड निकाला जा रहा है।**

ज्ञात हो कि सरयू नदी पर बने संजय सेतु के अप्रोचो में एक बार फिर दरारें आ गयी सुबह एनएचआई विभाग की टीम ने पहुंचकर ज्वाइंटो की दरारों को भरने का कार्य शुरू कर दिया जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो इसलिए मार्ग से गुजरने वाले छोटे बड़े सभी वाहनों को पुलिस के द्वारा वन साइड से निकाला जा रहा था।

इस दौरान पुल के दोनों ओर वाहनों की लगी लम्बी लाइनें कछुए की चाल रेंगती रही।

टीम के द्वारा सुबह 11 से शाम 4 बजे तक कार्य करके एक ही ज्वाइंट को भरा जा सका। सुरक्षा व्यवस्था में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय के साथ हल्का इंचार्ज उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह टीएसआई प्रमोद कुमार कांस्टेबल नरेंद्र सुजीत पुनीत अमित भाई पुलिस बल के साथ लगे रहे। कोतवाल ने बताया पुल के ज्वाइंट भरे जा रहे है जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो इसलिए वन साइड से वाहनों को निकाला जा रहा है मरम्मतीकरण कार्य 20 अप्रैल तक चलेगा।

# खरबूजा और तरबूज की फसल में वायरस का ग्रहण

## सिरौली गौसपुर क्षेत्र के किसानों को इस बार भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

बाराबंकी। जिले में अलग-अलग क्षेत्रों में हुई घटनाओं में किसानों को हुआ भारी नुकसान की संभावना है। सिरौली गौसपुर क्षेत्र के किसानों को इस बार भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र में खरबूजा और तरबूज की फसल वायरस से प्रभावित हो गई है। फसल की कटाई का समय आने से पहले ही पौधे सूखने लगे हैं।

पंजरौली गांव के किसान शिवकुमार और राधेलाल तथा धुसेडिया के किसान सरवन वर्मा और पवन वर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रति किलो एक लाख रुपए से अधिक का बीज खरीदा था। प्रति बीघा 40 से 60 हजार रुपए तक की लागत आई है।

किसानों ने फसल को बचाने के लिए कई तरह की दवाएं का प्रयोग किया। लेकिन कोई भी दवा कारगर साबित नहीं हुई।

इस क्षेत्र में हर साल खरबूजा और तरबूज की खेती का रकबा बढ़ता जा रहा है। किसान जनवरी के अंत से फरवरी तक फसल की बुवाई करते हैं। सामान्य तौर पर अप्रैल की शुरुआत में फल आते हैं और मध्य अप्रैल में फसल की कटाई शुरू होती है।

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

बाराबंकी। विकास खण्ड निंदूरा अंतर्गत कुर्सी थाना क्षेत्र के लखनऊ महमूदाबाद मार्ग पर कस्बा अनवारी के पास तेज हवा और बारिश के चलते एक विशाल पीपल व नीम का पेड़ सड़क पर गिर गया। जिसके चलते सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने पेड़ को कटवा कर सड़क के किनारे करवाया। इस बीच सड़क पर घंटों जाम लगा रहा। वनकर्मियों व ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आवागमन सुचारू रूप से चल सका। वही इस सम्बन्ध में वन दरोगा प्रशांत कुमार ने बताया कि तेज हवा की वजह से सड़क के किनारे लगा पेड़ गिर गया था। जिसको वनकर्मियों को भेज कर हटवा दिया गया है। आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है। इसी थाना क्षेत्र में एक घटना हुई मुस्तफाबाद गांव में तेज हवा और बारिश के चलते राम चंद्र यादव का टीन शेड गिर गया गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुई। राम चन्द्र यादव ने बताया कि शनिवार भोर करीब तीन बजे अचानक आंधी और बारिश हुई है जिसके चलते टीन शेड गिर कर टूट गया है जिसके नीचे हम लोग लेटे हुए थे लेकिन आंधी आने से पहले बारिश होने लगी तभी सब लोग बाहर निकल आए थे। जिससे कोई हताहत नहीं हुई है।

## लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज

# खेल-खिलाड़ियों को महत्व देना समाज की जिम्मेदारी: रक्षामंत्री

» स्वराज इंडिया संवाददाता।

**लखनऊ। राजधानी स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आज शनिवार को सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज हुआ। रक्षामंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह ने इसका उदघाटन किया। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से कई सांसदों ने अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। इस कड़ी में अब लखनऊ का नाम भी जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह जरूरी है कि खेल और खिलाड़ियों को महत्व दिया और उन्हें समझा जाए।**

**» केडी सिंह बाबू स्टेडियम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन।**

रक्षामंत्री ने आगे कहा कि लखनऊ शहर अपने स्पोर्टिंग कल्चर के लिए उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश विदेश में भी जाना जाता रहा है। जिन महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडिमय जाना जाता है, उन्होंने यहां पर काफी लंबा समय बिताया है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया है। यहां की खेल संस्कृति को उन्होंने संवारा और निखारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही है।

अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि एक समय था जब इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शीशमहल ट्रॉफी के नाम पर क्रिकेट टूर्नामेंट होता था। टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी यहां खेलते नजर आते थे। भले ही वह टूर्नामेंट अब नहीं होता, लेकिन उसकी स्मृतियां आज भी लोगों के जेहन में कायम हैं। आज यह सांसद खेल महाकुंभ भी लखनऊ के स्पोर्टिंग कैलेंडर से जुड़ चुका है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्पोर्टिंग कल्चर का विकास हुआ है। पहले भारतीय खिलाड़ी जीतने से अधिक पार्टिसिपेट पर ही संतुष्ट हो जाया करते थे। लेकिन, आज भारत के खिलाड़ी पूरी दुनिया में जहां भी खेले, उन्हें गंभीरता से लिया जाता है। यह बहुत ही गौरव का विषय है। इसका सबसे बड़ा कारण बदलावों के बीच हमारी केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की स्पोर्ट्स फ्रेंडली पॉलिसी भी है। आज खेलो इंडिया के तहत तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों को प्रति माह 50 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। जो उन्हें प्रशिक्षण, आहार, किट और उपकरण सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है। जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों पर इस समय हजारों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। मैं सभी खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज महाकुंभ जो यहां आयोजित किया गया है, उसके परिणाम आने वाले वर्षों में साफ दिखाई देंगे। जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर लखनऊ की धरती पर लौटेंगे।

### गुजरात में ओलंपिक खेलों का आयोजन करने का प्रयास

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि खेलों को हम लोग गंभीरता से लेते हैं। आज हमारी सरकार 2026 में होने वाले ओलंपिक खेलों का आयोजन गुजरात में करने का पूरा प्रयास कर रही है। वहीं अन्य विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन भारत में हो, इसका भी प्रयास चल रहा है। साथ ही मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह करूंगा कि प्रदेश में नेशनल गेम्स हुए 75 वर्ष से अधिक का समय हो गया है, अब समय आ गया है कि लखनऊ में भी नेशनल खेल का आयोजन हो सके। यह लखनऊ के सभी लोग चाहते हैं।

अंत में उन्होंने खेल महाकुंभ के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। खिलाड़ियों से यही कहूंगा कि वह और अच्छा व ऊंचा प्रदर्शन की भावना के साथ खेलें। इस अवसर पर रक्षामंत्री ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई।

# दिल्ली: भरभराकर गिरी चार मंजिला इमारत, चार लोगों की दर्दनाक मौत

» नई दिल्ली, एजेंसी।

**राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शक्ति विहार इलाके में शनिवार तड़के चार मंजिला इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग मलबे में दब गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय के मुस्तफाबाद क्षेत्र में इमारत ढहने की घटना के बाद बचावकर्मियों ने लगभग 11 लोगों को बचा लिया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) संदीप लामा ने बताया कि मलबे में करीब 8-10 लोगों के दबे होने की आशंका है।**

पुलिस ने कहा कि तड़के करीब तीन बजकर दो मिनट पर दयालपुर थाने में इमारत ढहने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस की एक टीम शक्ति विहार की गली नंबर-1 पहुंची, जहां चार मंजिला इमारत ढही थी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और एम्बुलेंस सेवाओं की बचाव टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया।

पुलिस ने बताया कि इमारत ढहने के बाद करीब 22 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका थी। अब तक 15 लोगों को निकाला गया है और उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है, जहां चिकित्सकों ने चार को मृत घोषित कर दिया। अतिरिक्त डीसीपी लामा ने कहा, फिलहाल एनडीआरएफ की दो टीम और अग्निशमन सेवाएं बचाव अभियान में लगी हुई हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, अब तक 14 लोगों को निकाला जा चुका है। दुर्भाग्य से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।÷ बाद में पुलिस ने बताया कि एक अन्य व्यक्ति को जीवित बचा लिया गया।

# जाति के नाम पर फिर लड़ाना चाहता है विपक्ष: सीएम योगी

## गोरखपुर में राणा सांगा को लेकर सपा पर बोला करारा हमला

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**गोरखपुर। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।**

भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया, लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए।

इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है।

समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए।

आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया। इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

### बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया।